Roll No. : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **4**

APF–2011

M.A. (Final) Examination, 2022

RAJASTHANI

Paper - I

(आधुनिक राजस्थानी काव्य)

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

(सगळां सवालां रा पडूत्तर राजस्थानी में ई देवणा है)

(खण्ड–अ) **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सगळा **दस** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। हरैक सवाल वास्ते 2 अंक अर् **50** सबदां मांय देवणां है।

(खण्ड–ब) **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात सवालां मांय सू किणी **पांच** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। हरैक सवाल वास्ते **200** सबद अर् **8** अंक राखीज्या है।

(खण्ड–स) **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार सवालां मांय सू कोई **दोय** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। हरैक सवाल वास्ते **500** सबद अर् **20** अंक राखीज्या है।

खण्ड–अ

1. सगळा सवालां रा पडूत्तर देवो (सबद सीमा–**50** सबद) :

(i) सूर्यमल्ल मीसण रै माता-पिता रो कांई नांव है ?

(ii) 'राम रंजाट' पोथी री रचना सूर्यमल्ल मीसण किसी उमर मांय रची ?

(iii) 'राधा' पोथी मांय मूळ रस किसो है ?

(iv) 'राधा' पोथी मांय आयोड़ी कोई **चार** कवितावां रो नांव बताओ।

(v) 'लीलटांस' मांय 'साच' री तुलना किण सूं करी गई है ?

(vi) कन्हैयालाल सेठिया री कोई **दो** पोथ्यां रो नांव बताओ।

(vii) चन्द्रसिंह री कोई **दो** रचनावां रो नांव बताओ।

(viii) बिरखा होवण सूं नगरी किण भांतरी बणी ?

(ix) 'ओ मामै रो डांगड़ो'—अठै टाबर डांगड़ो किणनै बतावै है ?

(x) 'खूटग्यो पांच ततस्यूं एक तत' अठै पांच तत किसा बताया गया है ?

खण्ड–ब

नोट :– सात सवालां मांय सूं किणी **पाँच** सवालां रो पड़ूत्तर देवो—सवाल **2, 3, 4, 5, 6** री प्रसंग सेती व्याख्या करणी है। (उत्तर-सीमा **200** सबद)।

2. सहणी सबरी हूं सखी, दो उर उलटी दाह।

दूध लजाणौ पूत सम, बलय लजाणौ नाह॥

हथळे वै ही मूठ किण, हाथ विलग्गा माय।

लाखां बातां हेकलो, चूड़ौ मो न लजाय॥

3. पड़ी हाथी पर

कीड़ी री निजर

देख'र हालतो चालतो डूंगर

बड़गी बिल में डर'र

पड़ी कीड़ी पर

हाथी री निजर

देख'र जुळघती परखत मौत

करली सूंड ऊपर!

4. कांन्ह!

आज थां पर जितरौ गरब करूं थोड़ौ,

आज थां पर जितरौ मान करूं थोड़ौ,

किण नै आज इतरौ

आपरै आपा रौ गुमेज

कै डूबती बस्ती नै यूं बचायलै!

किण रै हिया में इतरी हूंस

कै परबत नै पेरवा माथै नचायलै!

इण आणंद मंगळ री घड़ी में

म्हनै मत बरजौ रे कोई;

भीजणद्यौ साथणियां

म्हनै इण बिरखा में भीजणद्यौ।

5. चांद छिपायो वादळ्यां धरा गमायो धीर।

सुरंगी साड़ी ऊपरां ओढ्यो सांवळ चीर॥

ऊंची काळी बादळी चंदै चढ ली सांस।

सोनो परखण पारखी धर्यो कसोटी हांस॥

6. चोर रा हाथ

साचा

पण पग काचा,

कीं न कीं कसर

राखै कुदरत नेमसर

नहीं'स कदे'र रो ही

खिंड मिंड ज्यातो

भानमती रो पसगर।

7. 'राधा' काव्य मांय 'पूजा' कविता रो सार आपरै सबदां में लिखो।

8. बिरखा होवण रै पछै आरवी जीवा-जूण माथै कांई असर हुवै।

खण्ड–स

नोट :– च्यार सवालां मांय सूं कोई **दो** सवालां रा पड़ूत्तर देवो (सबद सीमा **500** सबद)।

9. 'वीर सतसई' री काव्यगत विसेज्ञतावां उदाहरण सागै लिखो।

10. 'राधा' काव्य मांय राधा रै मिनख पणै रा भाव किण भांत उजागर हुवै ? उदाहरण देय'र बतावो।

11. 'लीलटांस' काव्य पोथी मांय प्रकृति रा चितराम किण भांत उजागर कर्‌या गया है ? उदाहरण देय'र बतावो।

12. 'बादळी' रो मरुवासियां माथै कांई असर हुवै ? उदाहरण देय'र बताओ।